Prof Randhir Kr Singh
Asso Prof
Dept of Sociology
Patna College, PU

B.A Part — 1
Paper — 1
M - 9546991571

Topic — Relation of sociology with
① social psychology ② ~~[illegible]~~

Relation between sociology & social psychology —

सामाजिक मनोविज्ञान का विषय सामाजिक प्राणी के रूप में मनुष्य की मानसिक प्रकृति से है। इसके अन्तर्गत विशेष रूप से व्यक्ति के मानसिक विकास पर सामाजिक जीवन के पड़ने वाले प्रभाव का, समूह पर व्यक्ति के मन के पड़ने वाले प्रभाव का और समूहों के सामाजिक जीवन के मनोवैज्ञानिक विकास तथा उनके एक दूसरे के साथ पारस्परिक संबंधों का अध्ययन होता है। इसमें और समाजशास्त्र विचार को बनाने वाले कई प्रकार के समूहों का अध्ययन करता है।

सामाजिक मनोविज्ञान को मानव प्रकृति और व्यवहार को भली-भाँति समझने के लिये व्यक्तियों के समाजों की रचना, संगठन और संस्कृति संबंधी आवश्यक सामग्री के लिये समाजशास्त्र का सहारा लेना पड़ता है। समाजशास्त्रियों को भी समाजशास्त्र का या सामाजिक मनोविज्ञान का साथ लेना पड़ता है। वे समाज के क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों को समझने के लिये केवल बातों के अतिरिक्त मनोवैज्ञानिक तत्वों के महत्व को भी स्वीकार करते हैं।

Lapiere and Farnsworth के अनुसार, "समाज मनोविज्ञान समाजशास्त्र और मनोविज्ञान

लिये उसी प्रकार है जैसे कि शारीरिक विज्ञान शास्त्र, जीव शास्त्र और विज्ञान शास्त्र के लिये है।"

MacDougal and Freud के अनुसार "सबसे अधिक रूप में समस्त सामाजिक जीवन को मनोवैज्ञानिक व्यक्तियों के अन्तर्गत रखा जा सकता है। परन्तु यह मत पूर्ण होना ठीक नहीं है क्योंकि सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों में धर्म, भूगोल, राजनीति आदि अन्य कारण भी है। इसलिए एक मात्र मनोवैज्ञानिक तरीकों के अनुसार सामाजिक जीवन का अध्ययन नहीं किया जा सकता। सामाजिक मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के अन्योन्याश्रित होने का अभिप्राय यह है कि इनमें समानता है अथवा एक दूसरे के आधीन है। वास्तव में अन्वेषण के संचालित इन दोनों क्षेत्रों में कुछ महत्वपूर्ण विषयों में पर्याप्त भिन्नता भी है।

दोनों में भिन्नता →

प्रथम समाजशास्त्र व्यक्ति के समष्टिरूप का अध्ययन है कि सामाजिक मनोविज्ञान व्यक्तियों की समूहों के सदस्यों के रूप में पारस्परिक क्रियाओं तथा पारस्परिक क्रियाओं के ऊपर उनका पड़ने और पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन मात्र है। समाजशास्त्र की तुलना यंत्रविज्ञान (mechanics) और सामाजिक विज्ञान की तुलना molecular physics से ठीक ही की गयी है। यंत्रविज्ञान के अन्तर्गत सामूहिक विशाल वस्तु का तथा विशालवस्तु के अन्तर्गत गुणों पर विचार किया जाता है। molecular physics के अन्तर्गत अणुओं और उनके कार्य व्यापार पर विचार किया जाता है।

समाजशास्त्र सामाजिक समूहों के संगठन का, उनके केन्द्रित रिश्तों और उनके फलस्वरूप

पैदा होने वाले निकला-निकली व्यवस्था के अनेक पक्षों का अध्ययन करता है। यद्यपि सामाजिक मनोविज्ञान सामाजिक तत्वों के विचार से अध्ययन करता है।

Klikeberg के अनुसार "यह भी सत्य है कि समाजशास्त्र विशेषता का मुख्य केन्द्र बिन्दु सामाजिक व्यवस्था है और सामाजिक मनोवैज्ञानिक का समूह में व्यक्ति का व्यवहार।"

इनके अलावा समाजशास्त्र और समाज मनोविज्ञान विभिन्न पहलुओं से सामाजिक जीवन का अध्ययन करते हैं। समाजशास्त्र समाज का अध्ययन समुदाय के दृष्टिकोण से करता है और समाज मनोविज्ञान मनोवैज्ञानिक तत्वों के दृष्टिकोण से।